CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 26 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, गुरूवार, 1 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

राजनीति में जो होता है, वो दिखता नहीं: पायलट

पायलट बोले- छात्रसंघ क्यों हारे, चिंतन हो; दलितों-महिलाओं पर अत्याचार बढ़ना चिंताजनक

पायलट ने बढ़ते क्राइम और छात्रसंघ चुनावों में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई की हार पर भी सवाल उठाए

जयपुर।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर सीएम अशोक गहलोत के इनकार करने पर इशारों में कहा, 'जो हाईकमान कहेगा, वह निर्देश सब नेताओं को मानना होगा। राजनीति में जो होता है, वह दिखता नहीं है और जो दिखता है, वो होता नहीं।' पायलट ने राजस्थान में बढ़ते क्राइम और छात्रसंघ चुनावों में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई की हार पर भी सवाल उठाए। पायलट बुधवार सुबह जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर गहलोत सहित कई नेताओं के मना करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जैसा पहले भी किसी ने कहा कि राजनीति में जो होता है, वह दिखता नहीं। जो दिखता है, वो होता नहीं। इसलिए अफवाहों पर नहीं जाना चाहिए और इंतजार करना चाहिए। सारा चुनाव घोषित हो चुका है। 22 को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा। जो है, वो सामने आ जाएगा। हम सब चाहे अपने लिए बोलें या दूसरों के लिए। जो पार्टी का निर्देश हुआ, हम सब ने पूरी लगन और ईमानदारी से उसका पालन किया है। राजस्थान के तमाम नेता कई बार इस बारे में बोल चुके हैं।'

दलित-महिलाओं पर अत्याचार बढ़ना चिंताजनक

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में अपराध बढ़ने के सवाल पर पायलट ने कहा, 'मैंने भी वह रिपोर्ट देखी है। अपराध बढ़ना बहुत चिंताजनक है। दलित,आदिवासी महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं बढ़ना चिंताजनक है। एससी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाना चाहिए। अनेक राज्यों में एससी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला हुआ है। पूरी सरकार को मिलकर काम करना चाहिए कि कैसे कंट्रोल करें। न्याय समय पर मिले। किसी की दलित आदिवासियों पर अत्याचार करने की हिम्मत नहीं हो। ऐसा माहौल बनाना होगा। जब मैं जालोर गया था, तब भी मैंने कहा था कि केवल कानून बना देने से अत्याचार करने वालों में डर नहीं बैठेगा। हमें एक्शन लेकर ऐसा माहौल बनाना पड़ेगा।'

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए ये रहेगा कार्यक्रम

22 सितंबर को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी होगा।

24 से 30 सितंबर तक नामांकन होंगे।

1 अक्टूबर को नामांकनों की जांच होगी।

8 अक्टूबर को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख होगी।

अगर एक से ज्यादा उम्मीदवार हुआ तो ही चुनाव होंगे

यदि उम्मीदवार एक ही तो 8 अक्टूबर को ही अध्यक्ष की घोषणा।

एक से ज्यादा उम्मीदवार होने पर सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के स्तर पर वोटिंग होगी।

19 अक्टूबर को वोट गिने जाएंगे और नतीजे घोषित होंगे।

करीब 9000 कांग्रेस डेलिगेट्स अध्यक्ष के चुनाव के लिए वोटिंग करेंगे।

छात्रसंघ चुनाव क्यों हारे, इस पर पार्टी-सरकार चिंतन करे

छात्रसंघ चुनावों में हस्ट्ठ की हार पर पायलट ने कहा, 'छात्रसंघ चुनाव जो हुए हैं, उनमें रिजल्ट अनुकूल नहीं रहा है। इस पर पार्टी में चर्चा हो की कमी कहां रह गई? चार साल के सरकार के कार्यकाल के कामकाज को लेकर युवाओं में गए कि नहीं। नौजवानों की उम्मीदों को कितना पूरा कर पाए हैं?

14 यूनिवर्सिटी में कांग्रेस के छात्र संगठन को सफलता नहीं मिली। हम युवाओं की उम्मीद को कैसे पूरा करें, इस पर चिंतन होना चाहिए कि हम क्यों नहीं जीत पाए? युवा हमारे भविष्य की उम्मीद है। इन रिजल्ट पर संगठन और सरकार को मिलकर काम करना चाहिए।

सोलंकी बोले- मैं तो पायलट के साथ

मंगलवार को चाकसू में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विधायक सोलंकी ने कहा कि "मैं कोई पार्टी के साथ नही हूं, मैं बार-बार कह चुका हूं, मैं तो सचिन पायलट के साथ हूं। खुले मंच से उन्होंने कहा कि हमारे ऊपर तो सचिन पायलट का ठप्पा लगा है। उन्होंने सीएम के समर्थकों की तरफ इशारा करते हुए कहा- अब तो उनके लोग भी बोलने लगे हैं।

प्रदेश के अंदर मेरा जादू परमानेंट है। मैं परमानेंट जादूगर हूं, मेरा जादू अपने आप चलता रहता है। मेरा जादू अलग तरह का जादू है, वो जादू देख लीजिए आप। लगातार सेवा करने का जो मुझे अवसर मिला है, मेरा तो जिंदगी का मकसद है अंतिम सांस तक गरीब, असहाय की सेवा करना।

(नई दिल्ली में बोले)

गहलोत इशारों में दे चुके हैं संकेत

कांग्रेस अध्यक्ष बनने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लगातार सवाल किए जाते रहे हैं, लेकिन वो राहुल गांधी के नाम पर ही जोर देते रहे हैं। हाल ही में उनके आए बयान इशारा करते हैं कि वे राजस्थान में ही रहेंगे। बीते 15 दिनों सीएम के इस विषय को लेकर क्या रहे बयान- 'राजनीति में जो होता है वो दिखता नहीं है' पायलट के इस बयान की तुलना दो साल पहले अशोक गहलोत के दिए गए बयान से की जा रही है।

एक्सप्रेस न्यूज

सोनिया की माँ पाओला माइनो का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का शनिवार 27 अगस्त, 2022 को इटली में उनके घर पर निधन हो गया। अंतिम संस्कार मंगलवार को हुआ। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। बता दें कि इससे पहले 28 अगस्त को ही सोनिया गाँधी अपने बेटे राहुल और बेटी प्रियंका के साथ कांग्रेस की सीडब्लूसी बैठक में शामिल हुई थी। हालाँकि तब गाँधी परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा यह जानकारी साझा नहीं की गई थी।

अपराध में शामिल हैं जैकलीन फर्नांडीज : ईडी

मुंबई, (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ चार्जशीट में कहा, अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपी अभिनेत्री प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपराध में शामिल हैं। जैकलीन फर्नांडीज ने जानबूझकर सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक अतीत को नजरअंदाज किया और उससे साथ वित्तीय लेनदेन करना जारी रखा। न केवल जैकलीन बल्कि उनके परिवार के सदस्यों और दोस्तों को भी आर्थिक रूप से फायदा हुआ।

मिखाइल गोर्बाचेव का 91 वर्ष की आयु में निधन

मास्को, (एजेंसी)। सोवियत रूस के नेता मिखाइल गोर्बाचेव का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले गोर्बाचेव का लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ है। मिखाइल गोर्बाचेव ने बिना रक्तपात के शीत युद्ध को समाप्त किया, लेकिन वो सोवियत संघ के पतन को रोकने में विफल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक साल 1989 में साम्यवादी पूर्वी यूरोप के सोवियत ब्लॉक राष्ट्रों में लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शन तेज हो गए, तब भी उन्होंने बल प्रयोग करने से परहेज किया।

भारत की जीडीपी 13.5 फीसदी से बढ़ी

दुनिया में एक साल में यह सबसे तेज वृद्धि वाला देश भारत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था अब तेजी से पटरी पर आती दिख रही है और आर्थिक विकास में बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। बुधवार को भारत सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2022) के जीडीपी (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट) आंकड़े जारी किए। इस वर्ष अप्रैल से जून के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने 13.5 फीसदी के दर से विकास किया है। वैसे 2021-22 की पहली तिमाही में ये दर 20.1 फीसदी रही थी, लेकिन इसकी वजह लो बेस के आधार पर गणना करना रहा था।

दरअसल वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में कोविड लॉकडाउन के चलते अर्थव्यवस्था में 23.8 फीसदी की गिरावट आई थी। माना जा रहा है कि 2021-22 के लो बेस और घरेलू मांग में तेजी के चलते जीडीपी ग्रोथ रेट बढ़ा है। साथ इस तिमाही में निवेश, खपत में तेजी देखी गई है। फिर भी ये आरबीआई के 16.2 फीसदी के अनुमान से कम है।

कैसी है ग्रोथ

वैसे, 13.5 फीसदी की वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की दूसरी सबसे ज्यादा वृद्धि है। इससे पूर्व पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 20.1 फीसदी थी। इसके साथ ही भारत, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना के बाद अब देश की आर्थिक गतिविधियां फिर से सामान्य स्थिति में आ गई हैं। खासकर सेवा क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। इनमें एंटरटेनमेंट, रेस्टॉरेंट्स, खेल, बैंकिंग आदि शामिल हैं। दूसरी ओर कोर सेक्टर का आउटपुट जुलाई में धीमा होकर 4.5 फीसदी पर आ गया, जो एक साल पहले अगस्त में 9.9 फीसदी था। ग्रोथ की यह दर छह महीने में सबसे कम है। इसके अलावा केंद्र का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी जुलाई के अंत तक वार्षिक लक्ष्य के 20.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 21.3 प्रतिशत था।

आरबीआई का 13 फीसदी जीडीपी में वृद्धि के अनुमान

जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ बढ़ने की वजह लो बेस के साथ ही आर्थिक गतिविधियों में आई तेजी को माना जा रहा है। लेकिन रेटिंग एजेंसी इकरा ने जीडीपी में 13 प्रतिशत की दर से ग्रोथ का अनुमान जताया था। वहीं भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में 15.7 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान दिया था। वहीं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट करीब 16.2 प्रतिशत रह सकती है। ज्यादातर इकोनॉमिस्ट्स का मानना था कि जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 15 फीसदी रहेगी। इस लिहाज से जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े अनुमानों से कम ही रहे हैं।

नुकसान की पूरी भरपाई करेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री चौहान विदिशा जिले के बाढ़ प्रभावित ग्राम हिनोतिया और गुजरखेड़ा में प्रभावित परिवारों से मिले और नुकसान का आकलन कर आर्थिक सहायता देने की बात कही।

- सीएम ने बाढ़ प्रभावित हिनोतिया और गुजरखेड़ा ग्राम में लिया नुकसान का जायजा
- जिनके घर टूट गए हैं उन्हें नए मकान बनाकर देंगे

भोपाल, (राप्र डेस्क)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गणेश जी की स्थापना कर अपनी जनता के बीच आया हूं। गणेश जी के बाद जनता ही मेरी भगवान है, ग्राम हिनोतिया और गुजरखेड़ा आकर मैं जनता की पूजा कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधवार को विदिशा जिले के बाढ़ प्रभावित ग्राम हिनोतिया और गुजरखेड़ा में ग्रामीणों की व्यथा जानने के बाद उनसे संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरे ग्रामीण भाई यदि परेशान हैं तो मैं चैन से कैसे बैठ सकता हूं। केवल हिनोतिया और गुजरखेड़ा ही नहीं, विदिशा जिले के 1336 गांव के 27,639 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। मैं अपनी जनता को इस संकट से निकाल कर ले जाऊंगा। राज्य सरकार नुकसान की पूरी भरपाई करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने मिट्टी के ढेर बन गए मकानों को देखा है, गृहस्थी भी डूब गई और मवेशियों के अलावा फसलें भी बर्बाद हो गई हैं।

सभी पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाढ़ से जिंदगी बचाने की चुनौती के बाद अब सभी पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिंदगी पटरी पर आ जाये, फिर सड़क और पुल-पुलियों के काम भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के जो भी क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए है, उन्हें इस संकट और परेशानी से पार निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले में बाढ़ से हुई क्षति के अब तक के आकलन के आधार पर 11 करोड़ 3 लाख 15 हजार रुपए तत्काल प्रभावितों के खातों में अंतरित किए जा चुके हैं।

टी-20 में 3000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

एशियाकप में सुपर-4 में पहुंचा भारत

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में हॉन्ग कॉन्ग को एशिया कप 2022 में ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में 40 रन से हरा दिया है। भारत की टूर्नामेंट में ये लगातार दूसरी जीत है। सूर्य कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। सूर्य कुमार (68) व विराट कोहली (59) ने अर्द्धशतक लगाई।

सोनाली मामले में एक और गिरफ्तारी, गुरुग्राम के फ्लैट पर भी जाएगी गोवा-हरियाणा पुलिस

गुरुग्राम, (एजेंसी)। भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस जांच कर रही है। सोनाली फोगाट का गुरुग्राम में एक फ्लैट है।

गोवा पुलिस बुधवार देर शाम तक उनके फ्लैट पर जांच के लिए पहुंचने के कयास लगे। गोवा पुलिस इस मामले में हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर जांच कर रही है। पुलिस ने बुधवार को हिसार से शिवम को हिरासत में लिया है।आरोपित उप्र निवासी है। परिवार ने आरोपित पर सोनाली के फार्महाउस से लैपटॉप और मोबाइल गायब करने का आरोप लगाया था। अमन ने बताया कि उसने घटना के बाद सबसे पहले सुधीर सांगवान को फोन किया और कहा कि यहां सब उसको सोनाली की मौत का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसलिए वह डर गया और सुधीर ने उसे कहा कि वह यहां से निकल जाए।

अमन पूनिया ने बताया कि शिवम सुधीर के कहने पर डरकर यहां से चला गया था। उसका कोई कसूर नहीं है। वहीं सोनाली की बेटी यशोधरा ने गोवा पुलिस को अपने बयान दर्ज कराए और उसने मां की मौत की सीबीआई जांच की मांग की।

दखल

छह देशों के लिए संकट बने रोहिंग्या

केंद्र सरकार ने पिछले साल ही रोहिंग्या मुसलमानों को देश में नहीं रहने देने की नीति पर शीर्ष अदालत में एक हलफनामा देकर साफ किया था कि रोहिंग्या गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं। ये आज भारत ही नहीं कई देशों के लिए मुसीबत बन चुके हैं। अधिकांश रोहिंग्या ड्रग एवं महिला तस्करी जैसे अपराधों में लिप्त हैं जो कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गए हैं। इनका स्थाई हल निकालना जरूरी हो गया है।

म्यांमार में दमन के बाद करीब एक दशक में राहिंग्या मुस्लिम भारत, नेपाल, बांग्लादेश, थाइलैंड, इंडोनेशिया, पाक समेत 18 देशों में पहुंचे हैं। एशिया में जिन देशों में इनकी घुसपैठ हुई है, उनमें से छह देशों की सरकारों के लिए ये परेशानी का सबब बने हुए हैं। भारत में इनको लेकर दिक्कतें पेश आ रही हैं। देश में इनकी मौजूदगी से एक तो आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, दूसरे इनके तार आतंकियों से भी जुड़े पाए गए हैं। प्रतिबंधित कट्टरपंथी पीएफआई संगठन से संबंधों की तस्दीक हो चुकी है। नतीजतन देश में कानून व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो रही है। अलबत्ता कुछ लोग और संगठन ऐसे भी हैं, जो इन्हें भारत के मूल निवासी बनाने के दस्तावेज बनवाने में लगे हैं। बांग्लादेश के घुसपैठिए पहले से ही मुसीबत बने हुए हैं। हाल ही में इनको लेकर हुए विवाद के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि दिल्ली में अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को रहने के लिए घर नहीं दिए जाएंगे।

दरअसल केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मामलों के मंत्री हरदीप पुरी के एक ट्वीट से गफलत पैदा हुई थी कि दिल्ली में रह रहे रोहिंग्याओं को फ्लैट दिए जाएंगे। यह सूचना इसलिए चिंताजनक थी, क्योंकि भाजपा सरकार रोहिंग्या समेत बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की पुरजोर पैरवी करती रही है। बाद में इस ट्वीट पर स्पष्टीकरण देते हुए गृह मंत्रालय को कहना पड़ा कि रोहिंग्याओं के हित में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। बल्कि दिल्ली सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह इन पर सतर्क निगरानी के लिए इनकी बस्तियों को नजरबंद केंद्र में बदलने का काम करे। भारत में गैरकानूनी ढंग से घुसे रोहिंग्या किस हद तक खतरनाक साबित हो रहे हैं, इसका खुलासा कई रिपोर्टों में हो चुका है, बावजूद कथित मानवाधिकारवादी इनके बचाव में बार-बार आगे आ जाते हैं।

जबकि दुनिया के सबसे बड़े और प्रमुख मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि म्यांमार से पलायन कर भारत में शरणार्थी बने रोहिंग्या मुसलमानों में से अनेक ऐसे हो सकते हैं, जिन्होंने म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत में हिंदुओं का नरसंहार किया है। रोहिंग्याओं ने 25 अगस्त 2017 को इस प्रांत के दो ग्रामों में 99 हिंदुओं की निर्मम हत्या कर उन्हें धरती में दफन कर दिया था। रोहिंग्या आतंकियों ने अगस्त 2017 में रखाइन में पुलिस चैकियों के साथ म्यांमार के गैरमुस्लिम बौद्ध और हिंदुओं पर कई जानलेवा हमले किए थे। इस हमले में हजारों बौद्ध और हिंदु मारे गए थे। नतीजतन म्यांमार सेना ने व्यापक स्तर पर आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया। जिसके परिणामस्वरूप करीब 7 लाख रोहिंग्याओं को पलायन करना पड़ा। इनमें से 40 हजार से भी ज्यादा भारत में घुसपैठ करके शरण पाने में सफल हो गए, शेष बांग्लादेश, पाक, इंडोनेशिया, थाईलैंड, नेपाल चले गए थे। मुस्लिम देश होने के बावजूद इंडोनेशिया इनके अपराधिक चरित्र से परेशान है, अतएव वह इन्हें निकालने में लगा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कह चुकी है कि हमारे यहां अधिकांश रोहिंग्या ड्रग एवं महिला तस्करी जैसे अपराधों में लिप्त हैं जो कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गए हैं।

बांग्लादेश में 11 लाख रोहिंग्या संकट का सबब बने हुए हैं। थाईलैंड में 92 हजार राहिंग्याओं ने शरण ली हुई है। इनमें से 13 हजार को वापस भेजा जा चुका है। भारत की सख्ती के चलते कुछ रोहिंग्या घुसपैठ में असफल होकर नेपाल चले गए हैं। यहां इन्हें जिहादी गुटों से आतंक को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आर्थिक मदद मिल रही है। पाकिस्तान में भी ढाई लाख रोहिंग्या पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर को आतंकवाद का प्रशिक्षण देकर बांग्लादेश की सीमा से भारत में टुकड़ियों में प्रवेश करा दिया जाता है। हैरानी होती है कि इन घुसपैठियों को कुछ लोग एवं गिरोह भारत की नागरिकता का आधार बनाने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड भी बनवाकर दे रहे हैं। जिससे इन्हें भारत के नागरों में बसने में कोई परेशानी न हो। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने पिछले साल ही रोहिंग्या मुसलमानों को देश में नहीं रहने देने की नीति पर शीर्ष अदालत में एक हलफनामा देकर साफ किया था कि रोहिंग्या गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं।

ये अपने साथियों के लिए फर्जी पैनकार्ड, वोटर आईडी और आधार कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ रोहिंग्या मानव तस्करी में भी लिप्त हैं। इन पर इंसानी मांस खाने के भी आरोप हैं। मांस खाते हुए ये यूट्यूब पर देखे जा सकते हैं। देश में करीब 40 हजार रोहिंग्या रहे रहे हैं, जो सुरक्षा में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इनमें से कई आतंकवाद में लिप्त हैं। इनके आतंकी संगठन आईएस और पीएफआई से भी संबंध हैं। ये संगठन देश में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। देश में जो बौद्ध धर्मावलंबी हजारों साल से शांतिपूर्वक रह रहे हैं, उनके लिए भी ये हिंसा का सबब बन सकते हैं। 2015 में बोधगया में हुए बम विस्फोट में पाकिस्तान स्थित आंतकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने रोहिंग्या मुस्लिमों को आर्थिक मदद व विस्फोटक सामग्री देकर घटना को अंजाम दिया था। वैसे भी भारत के किसी भी हिस्से में रहने एवं बसने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है, घुसपैठियों को नहीं। किसी भी पीड़ित समुदाय के प्रति उदारता मानवीय धर्म है, लेकिन जब घुसपैठिए देश की सुरक्षा और मूल्य भारतीय समुदायों के लिए ही संकट बन जाएं, तो उन्हें खदेड़ा जाना ही बेहतर है।

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, कि सभी राज्यों को रोहिंग्या समेत सभी अवैध शरणार्थियों को वापस भेजने का निर्देश दिया है। सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आशंका जताई गई है कि जम्मू के बाद सबसे ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी हैदराबाद में रहते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें जम्मू-कश्मीर में रह रहे म्यांमार के करीब 15 हजार रोहिंग्या मुसलमानों की पहचान करके उन्हें अपने देश वापस भेजने के तरीके तलाश रही है। रोहिंग्या मुसलमान ज्यादातर जम्मू और सांबा जिलों में रह रहे हैं। इसी तरह हैदराबाद में 3800 रोहिंग्यों के रहने की पहचान हुई है। ये लोग म्यांमार से भारत-बांग्लादेश सीमा, भारत-म्यांमार सीमा या फिर बंगाल की खाड़ी पार करके अवैध तरीके से भारत आए हैं। आंध्र प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के अलावा असम, पश्चिम बंगाल, केरल और उत्तर प्रदेश में कुल मिलाकर लगभग 40 हजार रोहिंग्या भारत में रह रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर देश का ऐसा प्रांत है, जहां इन रोहिंग्या मुस्लिमों को वैध नागरिक बनाने के उपाय तत्कालीन महबूबा मुफ्ती सरकार द्वारा किए गए थे। इसलिए अलगाववादी इनके समर्थन में उतर आए थे। इसी प्रेरणा से श्रीनगर, जबलपुर और लखनऊ में इनके पक्ष में प्रदर्शन भी हुए थे। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को प्रस्तुत शपथ-पत्र में साफ कहा है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत देश में कहीं भी आने-जाने, बसने जैसे मूलभूत अधिकार नहीं दिए जा सकते। ये अधिकार सिर्फ देश के नागरिकों को ही प्राप्त हैं। इन अधिकारों के संरक्षण की मांग को लेकर रोहिंग्या सुप्रीम कोर्ट में गुहार भी नहीं लगा सकते, क्योंकि वे इसके दायरे में नहीं आते हैं। जो व्यक्ति देश का नागरिक नहीं है, वह या उसके हिमायती देश की अदालत से शरण कैसे मांग सकता है? मगर कुछ लोग हैं जो अदालतों में इन्हें भी भारत में रहने देने का अधिकार मांग रहे हैं।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

राज-विचार

आत्महत्या की दर बढ़ा रही चिंता

जब किसानों की आत्महत्याएं बढ़ी थीं, तब खेती में सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया था, मगर शहरों में संघर्ष करने वाले लोगों के लिए जीवन संबंधी सुरक्षा के किसी उपाय पर अभी तक विचार नहीं हुआ है। इस दिशा में संजीदगी से सोचने की जरूरत है।

महानगरों में बढ़ते असुरक्षाबोध, अवसाद, कुंठा और जीवन के प्रति तंगनजरी को लेकर चिंताएं बहुत पहले से प्रकट की जाती रही हैं, मगर अब ये स्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच गई लगती हैं। इसकी तस्दीक नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट से हो गई है। ताजा रिपोर्ट कह रही है कि भारत में 2021 में कुल एक लाख 64 हजार 33 लोगों ने आत्महत्या की है। ये संख्या साल 2020 में एक लाख 53 हजार 52 थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आत्महत्या के मामलों में साल 2021 में 2020 की तुलना में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, इस साल आत्महत्या की दर में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा लोग आत्महत्या करते हैं। इसके बाद तमिलनाडु का और तीसरे नंबर पर मध्यप्रदेश का नंबर आता है। देश में आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या करियर से संबंधित समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत के साथ वित्तीय नुकसान और पुराने दर्द मुख्य कारण हैं।

आत्महत्या की प्रवृत्ति अचानक नहीं पनपती। लंबे समय के अवसाद, तनाव, संत्रास अपमान के भय आदि से गुजरने के बाद ही कोई व्यक्ति इस तरफ कदम बढ़ाता है। जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थितियों से गुजर रहा होता है, तो उसमें आस-पड़ोस, रिश्तेदार, दोस्त, सहकर्मी आदि उसे उनसे बाहर निकालने का प्रयास करते हैं। मगर हैरानी की बात है कि अब समाज अपनी यह भूमिका क्यों नहीं निभा पा रहा है! इस चिंताजनक स्थिति से निपटने के लिए सरकार के स्तर पर कारगर उपाय जुटाने की दरकार है। खुदकुशी की घटनाओं को लेकर अनेक समाज-मनोवैज्ञानिक अध्ययन हो चुके हैं। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि लोग मानसिक रूप से इतने कमजोर कैसे होते जा रहे हैं कि संघर्ष के बजाय मामूली विफलता के बाद खुदकुशी को आसान विकल्प के तौर पर चुन लेते हैं। हमारा समाज भी इतना आत्मकेंद्रित कैसे होता गया है कि ऐसे परेशान लोगों को किसी तरह को संबल नहीं दे पाता।

आर्थिक तंगी की वजह से जितनी भी आत्महत्याएं होती हैं, उनमें आमतौर पर परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहे लोग होते हैं। उन्हें जीवन की जरूरी चीजें जुटाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। इन दिनों परिवार का पोषण, शिक्षा, विवाह जैसी जरूरी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाना भी बहुत सारे लोगों के लिए मुश्किल होता गया है। खासकर शहरी जीवन में ये जरूरतें कुछ ज्यादा त्रासद रूप में पेश आती हैं। फिर समाज में आर्थिक असमानता और गलत तरीके से धन कमाने की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ी है कि संपन्नता हासिल करने की गलाकाट प्रतियोगिता-सी शुरू हो गई है। फिर आर्थिक विषमता दूर करने की व्यवस्थागत चिंता भी अब दिखाई नहीं देती। ऐसे में सामान्य लोगों के लिए जीवन की दुश्वारियां लगातार बढ़ी हैं। गरीब और गरीब होते गए हैं। अमीर और अमीर हो रहे हैं।

सभी के विघ्नहर्ता भगवान गणेश

गणपति उत्सव का जितना आध्यात्मिक महत्व है उतना ही ऐतिहासिक भी। गुलामी के दौर में गणपति मंडल बनाने के पीछे लोकमान्य तिलक के दो उद्देश्य थे। पहला एक तो गांव के लोगों का संगठित होना, बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों को बताया कि गणपति विघ्नहर्ता है। तो अंग्रेज हुकूमत जो भी दुर्व्यवहार करती है, उसको दूर करने का काम गणपति करेंगे।

भगवान गणेश को सभी संकटों को हरने वाला और सभी बाधाओं को दूर करने वाला देवता माना गया है। भाद्रमास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को हर साल गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेशजी को समर्पित होता है। इस दिन घर-घर में गणेशजी बैठाए जाते हैं। घरों के अलावा जगह-जगह पर पंडाल सजाए जाते हैं। इसके बाद 11वें दिन बप्पा को पूरे गाजे-बाजे के साथ विदा कर दिया जाता है। यानी मूर्ति विसर्जन कर दिया जाता है। गणेश भगवान को विदाई देने के साथ भक्त अगले साल उनके जल्दी आने की कामना करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेश का जन्म जिस दिन हुआ था, उस दिन भाद्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी थी। इसलिए इस दिन को गणेश चतुर्थी और विनायक चतुर्थी नाम दिया गया। उनके पूजन से घर में सुख समृद्धि और वृद्धि आती है।

शिवपुराण में भाद्रमास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी को गणेश का जन्मदिन बताया गया है। जबकि जबकि गणेशपुराण के मत से यह गणेशावतार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को हुआ था। गणेश उत्सव भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी तक मनाया जाता है। प्राचीन काल में भी गणेश उत्सव का आयोजन होता था इसके प्रमाण हमें सातवाहन, राष्ट्रकूट तथा चालुक्य वंश के काल से मिलते हैं। गणेश उत्सव को मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज ने राष्ट्रधर्म और संस्कृति से जोड़कर एक नई शुरुआत की थी। प्राचीन काल में भी गणेश उत्सव का आयोजन होता था इसके प्रमाण हमे सातवाहन, राष्ट्रकूट तथा चालुक्य वंश के काल से मिलते है। गणेश उत्सव को मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज ने राष्ट्रधर्म और संस्कृति से जोड़कर एक नई शुरुआत की थी। मराठा शासकों ने गणेश उत्सव के इसी क्रम को जारी रखा तथा पेशवाओं के समय भी गणेश उत्सव इसी तरह जारी रहा।

चूंकि गणेशजी पेशवाओं के कुलदेवता थे इसी कारण इस समय गणेशजी को राष्ट्रदेव के रूप में दर्जा प्राप्त हो गया था। पेशवाओं के बाद ब्रिटिश काल में 1892 तक गणेश उत्सव केवल हिन्दू घरों तक ही सिमटकर रह गया था। 1857 की क्रांति के बाद घबराकर अंग्रेजों ने 1894 में इतने कठोर कानून बना दिया था! जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के बाद से अब तक उसी स्वरूप में आज भी लागू है। वह कानून इस प्रकार था कि किसी भी स्थान पर पांच भारतीय से अधिक इकट्ठा नहीं हो सकते थे अर्थात समूह बनाकर कोई कार्य या फिर प्रदर्शन नहीं कर सकते थे और अगर कोई ब्रिटिश अधिकारी उनको इकट्ठा देख लेता तो इतनी कड़ी सजा दी जाती थी कि जिसे सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं उनको कोड़े से मारा जाता था और उनके हाथों से नाखूनों को खींच लिया जाता था। इस कानून के कारण भारतीयों में भय व्याप्त था।

लोगों में अंगेजों के प्रति व्याप्त भय को खत्म करने तथा इस कानून का विरोध करने के लिए लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेश उत्सव की फिर से शुरुआत की। और शुरुआत पुणे के शनिवारवाड़ा में गणेश उत्सव के आयोजन से हुई। इससे पहले लोग घरों में गणेश उत्सव मनाते थे पर 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाया जाने लगा। पुणे के शनिवारवाड़ा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। तिलक जी ने अंग्रेजों को चेतावनी दी थी कि अंग्रेज पुलिस उन्हें गिरफ्तार करके दिखाए क्योंकि कानून के हिसाब से अंग्रेज पुलिस राजनैतिक समारोह में उमड़ी भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी धार्मिक समारोह में उमड़ी भीड़ को नहीं। इस प्रकार पूरे 10 दिन 20-30 अक्टूबर 1894 तक पुणे के शनिवारवाड़ा में गणपति उत्सव मनाया गया। हर दिन लोकमान्य तिलक वहां भाषण के लिए किसी बड़े व्यक्ति को आमंत्रित करते थे।

20 तारीख को बंगाल के सबसे बड़े नेता विपिनचन्द्र पाल तथा 21 तारीख को उत्तर भारत के लाला लाजपत राय वहां पहुंचे। इसी प्रकार चापेकर बंधू भी वहा पहुंचे। वहां 10 दिनों तक इन महान नेताओं के भाषण होते थे और सभी भाषणों का मुख्य आधार यही होता था कि हम भारत को अंग्रेजों से आजाद कराएं। गणपति जी हमें इतनी शक्ति दें कि हम स्वराज्य लाएं। अगले वर्ष 1895 में पुणे में 11 गणपति स्थापित किए गए फिर अगले साल 31 और अगले साल यह संख्या 100 पार कर गई। उसके पश्चात धीरे-धीरे पुणे के नजदीकी बड़े शहरो जैसे अहमदनगर, मुंबई, नागपुर आदि तक गणपति उत्सव फैलता गया। प्रति गणपति उत्सव पर लाखों लोगों की भीड़ जमा होती थी तथा आमंत्रित नेता उनमें देश प्रेम के भाव जाग्रत करने का कार्य करते थे। इस प्रकार का प्रयास सफल हुआ और लोगों के मन में देश के प्रति भाव बढ़ने लगे। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों को एकजुट करने में इस प्रयास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1904 में लोकमान्य तिलक जी ने अपने भाषणों में लोगों से कहा था की गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य आजादी हासिल करना है, स्वराज्य हासिल करना है, देश से अंग्रेजों को भगाना है। बिना स्वराज्य के गणपति उत्सव का कोई औचित्य नहीं है।

गणेश उत्सव का त्यौहार भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसकी धूम महाराष्ट्र से लेकर देश के अन्य राज्यों में भी देखने को मिलती है। इस हिंदू त्यौहार का धार्मिक महत्व तो है ही इसके साथ इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी माना जाता है। हिंदू सभ्यता में बहुत से देवी देवता हैं गणेश उनमें बौद्धिक माने जाते हैं अर्थात बुद्धि के स्वामी हैं। श्री गणेश जी, शिव जी और माता पार्वती के पहले पुत्र हैं। हिंदू धर्म में ऐसा कोई कार्य नहीं होता जो गणपत के पूजन के बगैर आरंभ किया था किया जाता हो गणेश जी को हिंदू धर्म में प्रथम पूजनीय माना गया है। पुराणों व हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान श्री गणेश का जन्म हुआ। शिव पुराण के अनुसार, माता पार्वती ने शरीर पर लगे। हल्दी के उपटन से गणेश जी की मूर्ति बनाई। उसमें प्राण डाल दिए। फिर उस बालक को द्वार पर पहरा देने के लिए कहा।

जब शिवजी माता पार्वती के स्नान स्थान पर प्रवेश करने लगे। तब गणेश जी ने उन्हें रोक दिया। इस पर क्रोधित होकर, भगवान शिव जी ने त्रिशूल से उस बालक का सिर धड़ से, अलग कर दिया। तब माता पार्वती के क्रोधित होने पर, शिव जी ने उस बालक के शरीर पर, नवजात हाथी का सर लगा दिया। तभी से उन्हें गजानन कहा जाने लगा। तब से उनके जन्मोत्सव का त्यौहार, धूमधाम के साथ मनाया जाता है। लोकमान्य तिलक का अंग्रेजो के खिलाफ युद्ध करने का छेड़ने का, यह एक जरिया बना। तभी से पूरे महाराष्ट्र और धीरे-धीरे भारत के अन्य राज्यों में भी, गणपति पूजा सार्वजनिक रूप से मनाने की प्रथा प्रचलित हो गई। गणपति बप्पा का त्यौहार, हमारे देश के बड़े त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के जरिए हमें भगवान गणेश के चरित्र से सीख लेनी चाहिए। उनके हर अंग हमें कुछ न कुछ शिक्षा देते हैं। वे आज के पीड़ा दायक संसार में हम सभी के विघ्नहर्ता हैं।

कन्हैया सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

सुसाइड को लेकर जो आंकड़े सामने आए हैं, वह चिंतनीय हैं। आत्महत्या के कारणों की पड़ताल करना जरूरी हो गया है, क्योंकि आज कई परिवार संकट में हैं।

योगेंद्र यादव, सामाजिक कार्यकर्ता

सरकार की विफलता एक बार फिर सामने आ गई है। सरकार अगर सभी को खुश रखने का दावा करती है तो फिर सुसाइड के आंकड़े बढ़ क्यों रहे हैं।

रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस प्रवक्ता

सत्यार्थ

रोज-रोज सत्संग का लाभ

बात उस समय की है जब गौतम बुद्ध काफी प्रसिद्ध हो चुके थे, वे रोज प्रवचन देते, जिन्हें सुनने के लिए काफी लोग पहुंचते थे। प्रवचन सुनने एक लड़का रोज आता था। काफी दिनों तक प्रवचन सुनने के बाद एक दिन उस लड़के ने सोचा कि मैं प्रवचन तो रोज सुन रहा हूं, लेकिन मेरे जीवन में कोई बदलाव नहीं आ रहा है। मुझे इस बारे में बुद्ध से बात करनी चाहिए। अगले दिन वह लड़का बुद्ध से बात करने की इच्छा लेकर पहुंच गया। बुद्ध का प्रवचन शुरू हुआ और वे कह रहे थे कि अगर कोई व्यक्ति हम पर गुस्सा करता है तो वह हमसे

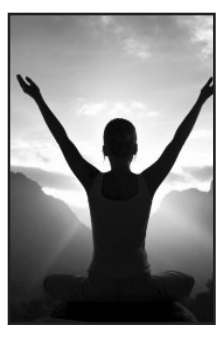

ज्यादा खुद का नुकसान करता है। अगर हम भी दूसरे के गुस्से का जवाब गुस्से से ही देते हैं तो हम खुद का नुकसान कर लेते हैं। बुद्ध की ये बातें सुनते ही वह लड़का खड़ा हो गया और कहने लगा कि तथागत मैं बहुत दिनों से आपके प्रवचन सुन रहा हूं, लेकिन मेरे जीवन में तो कोई बदलाव ही नहीं आया है। मुझे तो प्रवचन सुनने से कोई लाभ नहीं हो रहा है। बुद्ध ने अपने प्रवचन बीच में रोके और उस लड़के की बात सुनने लगे। जब वह लड़का चुप हो गया तो बुद्ध ने उससे पूछा कि तुम कहां रहते हो? लड़का बोला कि मैं श्रावस्ती में रहता हूं। बुद्ध ने कहा कि श्रावस्ती से यहां तक की दूरी कितनी होगी और यहां आने में कितना समय लगता है? उस लड़के ने बुद्ध की बातों का उत्तर दिया तो बुद्ध ने फिर पूछा कि यहां आते कैसे हो? उसने बताया कि मैं कभी पैदल आता हूं, कभी सवारी का कोई साधन मिल जाता है तो उससे आ जाता हूं। बुद्ध ने फिर एक नया प्रश्न पूछ लिया कि क्या तुम यहां बैठे-बैठे अपने घर पहुंच सकते हो? ये प्रश्न सुनकर वह लड़का और वहां बैठे सभी लोग हैरान हो गए। लड़के ने कहा कि ये कैसे संभव है? मैं बैठे-बैठे कहीं और नहीं पहुंच सकता। इसके लिए तो मुझे ही चलकर जाना होगा। बुद्ध ने कहा कि तुम्हारी बातों में ही तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर है।

आरडी गर्ग

हल्ला बोल रैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उद्योग मंत्री ने ली बैठक

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर कस्बे के स्थानीय निजी गार्डन में बुधवार को उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने 4 सितंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली हल्ला बोल रैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली । मंत्री रावत ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेसियों की यह रैली केंद्र सरकार को जगाने का काम करेंगी। उद्योग मंत्री ने बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 4 सितंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल रैली को सफल बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे और रैली को सफल बनाएं । उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से देश में हर चीज की महंगाई बढ़ रही है उसे यह कहावत सिद्ध होती है की आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया जिससे आम आदमी की कमर तोड़ दी है ।अगर आज देखा जाए तो डीजल, पेट्रोल, गैस सिलेंडर, कपड़ा आदि की कीमतों में 3 गुना बढ़ोतरी हुई है । हल्ला बोल रैली में पहुंचे बैठक को जिला प्रभारी किशनलाल ने संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 4 सितंबर को ज्यादा से ज्यादा लोग दिल्ली पहुंच कर महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल रैली को सफल बनाएं। इस अवसर पर भौरेलाल बागड़ी, प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, सज्जन मिश्रा,भैरुराम गुर्जर सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम मोहंद्रा में हुई गणेश जी की जगह जगह स्थापना

मरुधर / विशेष कैमरामैन शिवम रैकवार के साथ संवाददाता बृजेंद्र

गणेश चतुर्थी के अवसर पर मोहंद्रा ग्राम में बड़े हर्ष उल्लास के साथ गणेश जी की स्थापना कर अपने पंडाल को सजाया और हर साल की भांति इस साल भी धूमधाम से मनाया जाएगा गणेश उत्सव कई सालों से चली आ रही परंपरा हर साल की भांति इस वर्ष भी मोहंद्रा में समितियों का गठन होकर गणेश जी की स्थापना करते हैं जैसे की जय मां सिंह वाहिनी उत्सव समिति के सदस्य वीरेंद्र कटेगा प्रहलाद बुंदेला (पिंटू राजा) विनोद रैकवार शिवम रैकवार राजा बाबू लोधी के साथ अन्य सदस्य भी शामिल होते हैं श्री गणेश की कृपा सदा भक्तों पर बनी रहे।

आलनपुर में अंतिम दिन वालीबाल मैच खेले गए

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के ग्राम पंचायत माजरा अहीर के गांव आलनपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मैदान में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल 2022 के तहत अंतिम दिन वालीबाल मैच खेले गए।पी ई ई ओ माजरा अहीर नरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि अंतिम दिन वालीबाल मैच खेले गए।फाइनल मुकाबले में आलनपुर की टीम ने माजरा अहीर टीम को हराकर विजेता रही।पी ई ई ओ शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना से खेला और वहां मौजूद सभी लोगों ने खेलों का भरपूर आनंद लिया।

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने 3 दिन की छोटी बच्ची को तुरंत दुर्लभ ब्लड ग्रुप उपलब्ध कराकर एक अच्छी मिसाल पेश की।

लोकेशन अलवर राजस्थान रुपेश शर्मा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के बताया की उनके पास अलवर ब्लड बैंक से सूचना आई की 3 दिन की छोटी बच्ची को ओ नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता है और ये ब्लड ग्रुप अलवर के किसी ब्लड बैंक में उपलब्ध नही है, इस पर जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने तुरंत निर्णय लेते हुए शहर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जोगेंद्र कोचर से तुरंत संपर्क किया जिन का ब्लड ग्रुप ओ नेगेटिव था, कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने जोगेंद्र कोचर के साथ जाकर कोचर का अलवर ब्लड बैंक में तुरंत रक्तदान करवाया । जोगेंद्र कोचर ने 60 वर्ष की उम्र में 50 वीं बार रक्तदान करके, इंसानियत का एक अच्छा उदाहरण पेश किया व 3 दिन की मासूम बच्ची की जान बचाई।

डाबडवास गांव में सांसद बालक नाथ के दौरे को लेकर ग्रामीणों ने सांसद को सुनाई खरी-खोटी

3 साल सांसद के कार्यकाल के दौरान गांव में नहीं पहुंचे

नीमराना

अलवर सांसद बालक नाथ योगी नीमराना क्षेत्र के डाबडवास गांव में बीती मंगलवार देर रात्रि को पहुंचे । सांसद बालक नाथ एवं ग्रामीणों की तीखी नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें सांसद से आम जनता जवाब मांग रही है आपको बने हुए 3 साल हो गए और आज तक आप गांव में नहीं पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि सांसद को बने हुए 3 साल हो चुके हैं लेकिन सांसद कभी गांव में आकर ग्रामीणों की समस्या नहीं जानी। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। वही सांसद के तय समय से करीबन 3 घंटे लेट पहुंचने से ग्रामीण और अधिक खफा हो गए । सभा को सांसद द्वारा संबोधित करते वक्त युवाओं ने सांसद से तीखे प्रश्न जवाब कर डालें । वही मामले को लेकर सांसद बालक नाथ ने विधायक एवं प्रशासन के कहने से यह सब बातें ग्रामीणों के द्वारा कहे जाने की बात कही। सांसद बालक नाथ ने कार्यक्रम में सरपंच रामस्वरूप पनवाल के नहीं पहुंचने पर विधायक बलजीत यादव चहेते होने का आरोप लगाया। सांसद के कार्यक्रम को लेकर ग्राम पंचायत के द्वारा पूरी तैयारियां कर रखी थी और सांसद के स्वागत के लिए करीबन 3 घंटे का इंतजार किया। लेकिन सांसद देर शाम तक नहीं पहुंच पाए । बहुत जरुरी काम आसान हो जाने के चलते जयपुर जाना पड़ गया। जिसके चलते कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाया।सांसद का आरोप इस तरीके का लगाना गलत है।

रविंद्र कृष्णचंद्र ठाकूर (सीसोदिया) मध्य प्रदेश के पहले जनपद प्रतिनिधि ,जो पद ग्रहण करते ही ग्रामो को विकास की और अग्रसर करते हुवे

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की आलोट जनपद के जनपद प्रतिनिधि रविंद्र ठाकूर ।जो आलोट जनपद के वार्ड क्रमांक 22 से जनता ने एतिहासीक जीत देकर आशीर्वाद दिया है।उसी एतिहासीक जित का कर्ज अदा करने के लिये।रविंद्र ठाकूर (सीसोदिया)।हर घडी,हर पल जनता के बिच जाकर उनका निरक्षण कर उनकी समस्याओ का निराकरण करते है।व मध्य रात्रि मे अपनी वार्ड की जनता के लिये तत्पर खडे रहते है। जनपद प्रतिनिधि रविंद्र ठाकूर नेता नही एक सेवक है।रविंद्र ठाकूर सिर्फ फिल्मो में हि नही रीयल लाइफ में भी हिरो है । रविंद्र ठाकूर जनता के सपनो को नई दिशा देते हैं। रविंद्र कृष्णचंद्र ठाकूर (सिसोदिया) ने मीडीया से रुबरु होते हुवे बताया की रविंद्र ठाकूर ने बताया की "विकास ऐसा होना चाहिए जो व्यक्तियों और ग्रामो को समर्थ बनाए। रविंद्र ठाकूर ने बताया की हमारी पहचान हमारे देश से बनती है और राष्ट्रहित की भावना एवं उसका व्यवहार राष्ट्र की प्रगति का आधार है।अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी होने के साथ ही एक विकसित देश की आवश्यक मांग भी है।

वेस्ट लंदन में नौटिंग हिल समारोह में भाग लेते हुए कलाकार।

कनाडा में सड़क का नाम एआर रहमान के नाम पर रखा गया, संगीतकार ने आभार जताया

न्यूयॉर्क। कनाडा के मरखम शहर में एक सड़क का नाम विश्व विख्यात संगीतकार एआर रहमान के नाम पर रखा गया है, जिसके बाद भारतीय गायक ने कहा कि वह अब कड़ी मेहनत करते रहने तथा लोगों को प्रेरित करने की अधिक जिम्मेदारी महसूस करते हैं। भारतीय फिल्म उद्योग में इस महीने तीन दशकों का सफर पूरा करने वाले रहमान ने कनाडा के ओंटारियो में मरखम के प्राधिकारियों के प्रति ट्विटर पर आभार व्यक्त किया। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके रहमान(55) ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। मैं आप सभी, कनाडा के मरखम के मेयर तथा काउंसिलर्स, भारतीय महावाणिज्य दूत (अपूर्व श्रीवास्तव) तथा कनाडा के लोगों का बेहद आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा लगता है कि इससे मुझे और अधिक काम करने तथा प्रेरित करने, न थकने और अभी न रुकने की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अगर मैं थक भी जाता हूं तो मैं याद रखूंगा कि मेरे पास करने के लिए और चीजें हैं, और लोगों से जुड़ना है, और पुलों को पार करना है।'' वह अभी अपने संगीत कार्यक्रम के सिलसिले में कनाडा में हैं। मरखम शहर ने एलान किया है कि रहमान के सम्मान में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाएगा। संगीतकार ने कहा, ''ए आर रहमान नाम मेरा नहीं है। इसका मतलब है दयालु। दयालुता हम सभी के ईश्वर का गुण है और कोई व्यक्ति इस दयालुता का केवल सेवक हो सकता है इसलिए इस नाम को कनाडा में रह रहे सभी लोगों के लिए शांति, समृद्धि, खुशी तथा स्वास्थ्य लाने दीजिए।

इराक में श्रीलंका जैसा हाल, संसद से राष्ट्रपति भवन तक प्रदर्शन, देशव्यापी कर्फ्यू

बगदाद (एजेंसी)।

इराक में इरान समर्थक मोहम्मद अल सुदानी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध अचानक हिंसकहो गया। श्रीलंका की तरह वहां भी विरोध जताने के लिए हजारों प्रदर्शनकारी संसद में दाखिल हो गए। जिसकी वजह से हालात बेकाबू हो गए। इराक की राजधानी बगदाद से जो तस्वीरें सामने आई उसमें हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी दीवारें फांद कर संसद के अंदर दाखिल होते दिखाई दिए। एक अन्य तस्वीर में विरोध कर रहे लोग संसद में अंदर हंगामा करते नजर आए। खबर है कि जिस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने कब्जा जमाया है वहां न केवल संसद है बल्कि तमाम देशों के दूतावास भी हैं।

इराक के प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सदर द्वारा राजनीति से हटने की घोषणा के बाद सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बगदाद में इराकी संसद पर धावा बोल दिया। नाराज अनुयायियों ने महल के फाटकों की ओर जाने वाले अवरोधों को गिराने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल किया और सुरक्षा बलों से भिड़ गए। इस दौरान अल-सद्र के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें कम से कम 15 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इराक की सेना ने बढ़ते तनाव को शांत करने के उद्देश्य से शहर भर में कर्फ्यू की घोषणा कर दी। इराक के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने कैबिनेट का सत्र निलंबित कर दिया।

बता दें कि इराक में 10 अक्टूबर को आम चुनाव हुए है, जिसे 2003 में सद्दाम हुसैन के अमेरिका द्वारा अपदस्थ करने के बाद का पांचवां संसदीय चुनाव कहा गया। अक्टूबर 2021 में हुए चुनाव में अल-सदर के गुट ने 73 सीटें जीती थीं। अल-सदर चुनाव में 329 सीटों वाली संसद में सबसे बड़ा गुट बन गया था, लेकिन वोटिंग के बाद से नई सरकार के गठन की बातचीत रुक गई है। अल-सद्र ने बातचीत की प्रक्रिया से खुद को बाहर कर लिया। नई सरकार के गठन को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

पाकिस्तान में बाढ़ के कारण मृतकों की संख्या 1136 हुई

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या सोमवार को 1136 हो गई। देश में आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की अपील के बाद अंतरराष्ट्रीय सहायता पहुंचने लगी है। बाढ़ की विभीषिका का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 3.3 करोड़ लोगों को यानी देश की कुल आबादी के करीब सातवें हिस्सा को विस्थापित होना पड़ा है। पाकिस्तानी जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने इसे दशक का सबसे भयावह मानसून कहा, वहीं वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा कि बाढ़ के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 10 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने वाले मुख्य राष्ट्रीय संगठन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सोमवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ के कारण कम से कम 1136 लोग मारे गए हैं जबकि 1,634 लोग घायल हुए हैं। प्राधिकरण ने कहा कि करीब 9,92,871 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लाखों लोग भोजन व स्वच्छ पेयजल आदि से वंचित हो गए हैं। इसके साथ ही करीब 7.19 लाख पशु भी मारे गए हैं और लाखों एकड़ उपजाऊ भूमि लगातार बारिश से जलमग्न हैं।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या काफी अधिक हो सकती है क्योंकि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हजारों गांव देश के बाकी हिस्सों से कटे हुए हैं और नदियों में उफान से सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 'जियो टीवी' की एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों में बिजली की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस भीषण आपदा का सामना करने में मुश्किलों से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है और कई देशों ने एकजुटता संदेशों के साथ मानवीय सहायता भेजी है।

पुलिसकर्मी में धड़केगा रिटायर्ड फौजी का दिल

राजस्थान में हुआ 11वां हार्ट ट्रांसप्लांट

ब्रेन डेड हुए पूर्व सैनिक रिछपाल सिंह ने जाते-जाते चार लोगों को दी नई जिंदगी

मरूधर हिंद

जयपुर। देश की रक्षा करने के बाद एक रिटायर्ड फौजी का दिल अब पुलिसकर्मी में धड़केगा। बुधवार को राजस्थान का 11वां हार्ट ट्रांसप्लांट जयपुर के इटर्नल हॉस्पिटल में हुआ। यह अजब संयोग है कि देश की रक्षा के लिए धड़कने वाला दिल अब दूसरे शरीर में भी देश की रक्षा के लिए ही धड़केगा। सीकर निवासी पूर्व सैनिक रिछपाल के ब्रेन डेड होने पर उनका दिल राजस्थान पुलिस में कार्यरत दिनेश मीणा को लगाया गया। सुबह करीब 10 बजे सीकर रोड स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में ब्रेन डेड हुए मरीज का हार्ट ग्रीन कॉरिडोर बनाकर इटर्नल हॉस्पिटल में मात्र 20 मिनट में पहुंचा दिया गया जहां सीनियर कार्डियक सर्जन डॉ. अजीत बाना के नेतृत्व में यह ट्रांसप्लांट किया गया।

बेहद कमजोर रह गई थी हार्ट की पंपिंग क्षमता

डॉ. अजीत बाना ने बताया कि हार्ट प्राप्त करने वाले मरीज दिनेश के हार्ट की पंपिंग क्षमता बहुत कम रह गई थी और वे गंभीर रूप हार्ट फेलियर से पीड़ित थे। सिर्फ हार्ट ट्रांसप्लांट द्वारा ही उनके बचने की उम्मीद थी। हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए उनका रजिस्ट्रेशन किया हुआ था, जिसमें नंबर आने पर ट्रांसप्लांट कर दिया गया। सीनियर कार्डियक सर्जन डॉ. विमलकांत यादव ने ब्रेन डेड मरीज में से हार्ट को रिट्रीव किया। कार्डियक सर्जरी टीम में कार्डियक सर्जन डॉ. राकेश सीतारमन, कार्डियक एनेस्थेटिक एक्सपर्ट डॉ. नवनीत मेहता, डॉ. चेतना, डॉ. रीना जैन, डॉ. अभिनव, डॉ.प्रेमलता थे वहीं कार्डियक सर्जन डॉ.अनुज, डॉ.शोभित, डॉ. प्रमोद का इस ट्रांसप्लांट में विशेष सहयोग रहा। सीनियर कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. नवनीत मेहता ने बताया की सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपण के बाद मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है।

इटर्नल हॉस्पिटल की को-चेयरपर्सन मंजू शर्मा ने बताया कि स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन के काउंसलर्स द्वारा ब्रेन डेड हुए रिछपाल के परिजनों की काउंसलिंग की गई और उन्हें ट्रांसप्लांट के लिए तैयार किया गया। हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. प्राचीश प्रकाश ने बताया कि यहां इटर्नल हॉस्पिटल में 7वां सफल ट्रांसप्लांट किया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व सैनिक रिछपाल का सड़क दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके ब्रेन डेड होने पर दोनों किडनी, लिवर और हार्ट को अन्य मरीजों में ट्रांसप्लांट किया गया।

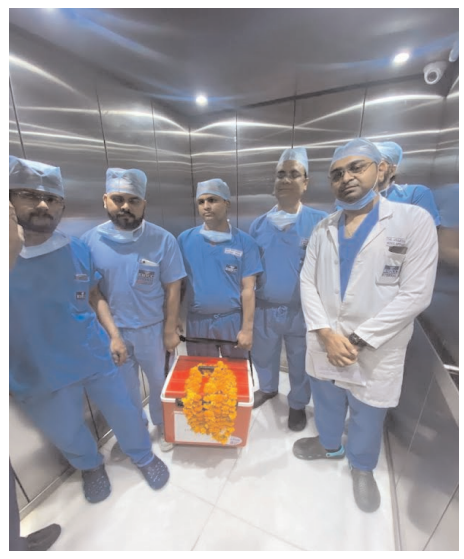

वाले मरीज दिनेश के हार्ट की पंपिंग क्षमता बहुत कम रह गई थी और वे गंभीर रूप हार्ट फेलियर से पीड़ित थे। सिर्फ हार्ट ट्रांसप्लांट द्वारा ही उनके बचने की उम्मीद थी। हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए उनका रजिस्ट्रेशन किया हुआ था, जिसमें नंबर आने पर ट्रांसप्लांट कर दिया गया। सीनियर कार्डियक सर्जन डॉ. विमलकांत यादव ने ब्रेन डेड

निशुल्क परामर्श शिविर में देशभर के 150 ज्योतिष विद्वानों से मिलेगा ग्रह दोषों का निदान

मरूधर हिंद/उदयपुर। आगामी तीन सितंबर को शहर के लोग देशभर से आए ज्योतिष विद्वानों से अपने ग्रह दोषों का निशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। मौका होगा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग और अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान की ओर से आयोजित होने जा रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष शोध संगोष्ठी का। इस ज्योतिष सम्मलेन में देशभर से 150 से अधिक ज्योतिष विद्वान शामिल होने जा रहे हैं। संगोष्ठी में पहले 03 सितम्बर 2022, शनिवार को विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार, स्वर्ण जयंती अतिथि गृह में निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें लोग अपनी ज्योतिष विज्ञान से सम्बंधित समस्याओं का निराकरण प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन के आयोजक व संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में फलित ज्योतिष, अंक ज्योतिष, रमल ज्योतिष, सामुद्रिक शास्त्र, टेरो कार्ड रीडर, वास्तु शास्त्र, हस्तरेखा, रमल, लाल किताब, हस्ताक्षर आदि विधाओं के विद्वान पत्र वाचन करेंगे। आयोजन सचिव व श्रीमेवाड़ विजय पंचांग के संपादक डॉ. रवि शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में आम जनता के ग्रहों एवं खगोल के आधार पर शनिवार, 03 सितम्बर 2022 को दोपहर 02 से शाम 08 बजे तक निशुल्क परामर्श दिया जायेगा जिससे सरल उपायों द्वारा आम जनता की समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

रूस ने दुगिना की मौत मामले में दूसरे संदिग्ध की पहचान की

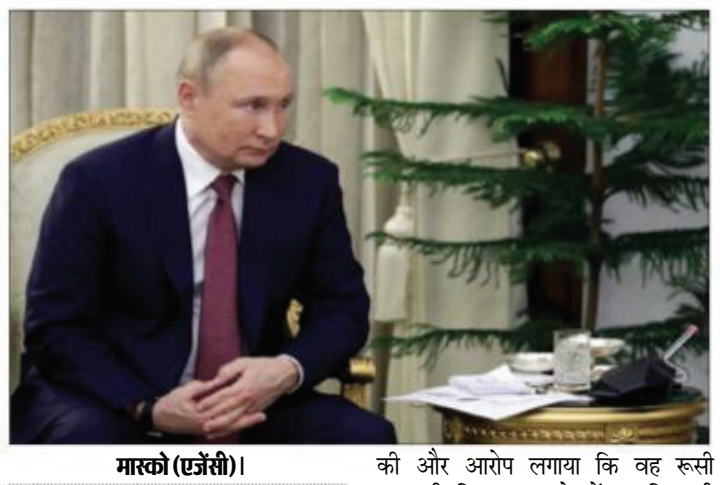

मास्को (एजेंसी)।

रूस की शीर्ष सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को एक अन्य यूक्रेनी संदिग्ध की पहचान की और आरोप लगाया कि वह रूसी राष्ट्रवादी विचारक अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी की हत्या में शामिल था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि यूक्रेनी नागरिक बोगदान सिगानेंको ने अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी दरिया दुगिना की हत्या की तैयारी में मदद की। दुगिन को पश्चिमी देशों में कुछ लोग ''पुतिन का दिमाग'' कहते हैं। एफएसबी ने आरोप लगाया कि सिगानेंको ने मुख्य संदिग्ध नताल्या वोवक को एक जाली पहचानपत्र व जाली लाइसेंस प्लेट मुहैया कराई थी तथा विस्फोटक उपकरण को जोड़ने में उसकी मदद की थी, जो दुगिना की कार में लगाया गया था।

एफएसबी ने कहा कि 44 वर्षीय सिगानेंको 30 जुलाई को एस्टोनिया के रास्ते रूस पहुंचा और उसने हत्या से एक दिन पहले देश छोड़ दिया। अधिकारियों ने कहा कि एक राष्ट्रवादी रूसी टीवी चैनल में समीक्षक दुगिना (29) की उस समय मौत हो गई थी, जब 20 अगस्त की रात उसकी एसयूवी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में एक रिमोट कंट्रोल से विस्फोट किया गया था। यह घटना उस समय हुई थी, जब दुगिना मास्को के बाहरी इलाके में सफर कर रही थीं। इस विस्फोट से वाहन में आग लग गई थी और दुगिना की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुगिना और उसके पिता दुगिन, दोनों ने यूक्रेन में सेना भेजने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले का जोरदार समर्थन किया था।

दुगिन एक दार्शनिक, लेखक और राजनीतिक सिद्धांतकार हैं। एफएसबी ने कहा कि दुगिना की हत्या का षड्यंत्र ''यूक्रेन की विशेष सेवाओं द्वारा तैयार और नियोजित'' किया गया था तथा वोवक पर हत्या को अंजाम देने और फिर एस्टोनिया भागने का आरोप लगाया गया है। एफएसबी के अनुसार, वोवक जुलाई में अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ रूस पहुंची और उस इमारत में एक अपार्टमेंट किराए पर लिया, जहां दुगिना रहती थी। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वोवक और उसकी बेटी ने उस राष्ट्रवादी उत्सव में भी हिस्सा लिया था, जिसमें दुगिन और उनकी बेटी हत्या से ठीक पहले शामिल हुए थे।

एजेंसी ने सोमवार को कहा कि सिगानेंको ने वोवक को कजाकिस्तानी लाइसेंस प्लेट और यूलिया जाइको नाम से एक जाली कजाकिस्तानी पहचानपत्र प्रदान किया था। हालांकि, यूक्रेन ने दुगीना की मौत में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। वहीं, एस्टोनियाई अधिकारियों ने कहा कि उन्हें वोवक के संबंध में रूस से कोई औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है।

राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय मग्घा मे किया गया वृक्षारोपण

मरुधर विशेष / नरेन्द्र शास्त्री

उदयपुर। क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय मग्घा मे वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया 7 विधालय संस्था प्रधान करण सिंह दलावत के निर्देशन मे आवला, जामुन, आम के फलदार 10 वृक्ष उगाये गये 7 इस दौरान नरेन्द्र शास्त्री ने कहा की हमे वृक्षों का अधिक से अधिक संरक्षण व संवर्धन करना चाहिए 7 इस दौरान करनसिंह दलावत, भंवरलाल घोघरा, नरेन्द्र शास्त्री, विष्णु सामरिया, अध्यापिका सुनील कुमारी,गहरीलाल मेघवाल, अन्नाराम हिंगड, राजवीर लोहान सहित समस्त स्टाफ व विधार्थी मौजूद रहे।

शहर के केडलगंज के पास शिवपुरा मोहल्ला रत्ती का कुआं पर प्रथम गणपति महोत्सव एवं विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन

अलवर राजस्थान लोकेशन रुपेश शर्मा की रिपोर्ट,

जिसमें मोहल्ले वासियों सहित शहर के अन्य मोहल्ले के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में विशेषकर महिलाओं व बच्चों में खासा उल्लास देखा था गया। गौरतलब है कि कोरोना के 2 साल बाद गणपति महोत्सव की रौनक शहर के सभी इलाकों में देखी गई। कार्यकर्ता नरेश ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत में सुबह कलश यात्रा निकाली गई। जो शिव मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई वापस पुनः शिव मंदिर पर आकर संपन्न हुई। यह कार्यक्रम 31 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगा। जिसमें 4 सितंबर को गणपति जी का जयसमंद में विसर्जन किया जाएगा उन्होंने बताया कि गणपति स्थापना 31 अगस्त को की गई है एवं 31 अगस्त से शाम 7:30 बजे से आरती व धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे।

अलवर श्री गणपति महोत्सव समिति की ओर से लाल गेट गणेश जी महाराज के मंदिर से आज राज ऋषि अभय समाज तक कलश यात्रा का आयोजन किया गया

अलवर राजस्थान लोकेशन युवराज शर्मा की रिपोर्ट,

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं अपने सर पर कलश लेकर व मंगल गीत गाते हुए राज ऋषि अभय समाज पहुंची जहा पर गणेश जी की प्रतिमा के आगे अखंड ज्योत प्रज्वलित करके पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई कार्यक्रम आयोजक दौलतराम हजरती ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणपति महोत्सव समिति की ओर से गणेश चतुर्थी पर लाल गेट स्थित गणेश जी महाराज के मंदिर से राज ऋषि अभय समाज तक शोभायात्रा और कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया वही राज ऋषि अभय समाज में गणेश जी की प्रतिमा पर अखंड दीप प्रज्वलित किया गया राज ऋषि अभय समाज में आज से छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और उसके बाद में गणपति महोत्सव समिति द्वारा राज ऋषि अभय समाज से शोभायात्रा निकालकर जयसमंद ले जाकर गणेश जी की प्रतिमा को जयसमंद में विसर्जित की जाएगी।

गांव रोनीजाथान के अध्यापक बाबूलाल बैरवा का हुआ सेवानिवृत्त सम्मान समारोह

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय रिंगसपुरा के प्रधानाध्यापक बाबूलाल बैरवा का बुधवार को विधालय से सेवानिवृत्त होकर अपने गांव रोनिजाथान पहुंचने पर कांग्रेस डिजिटल सदस्यता अभियान के कठूमर ब्लॉक प्रभारी प्रहलाद जाटव बसेठ के द्वारा माला साफा बंधवाकर स्वागत किया। विधायक में स्टाफ सहित यहां के शिक्षक बंधुओं ने भी उत्साह पूर्वक मान सम्मान किया। बाबूलाल बैरवा कठूमर ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रिंगसपुरा से 31अगस्त बुधवार को ही सेवानिवृत्त हुए है। उल्लेखनीय है कि बाबूलाल बैरवा रोनिजाथान का रिंगसपुरा में प्रधानाध्यापक के रुप में कार्यकाल सभी के लिए सहयोगात्मक, सराहनीय एंव आत्मीयता पूर्णणसंबंध रहने के कारण सभी के लोकप्रिय रहे है। यहां के लोग अभी तक उनके कार्य व्यवहार को याद करते हुए प्रशंसा करते रहते है। इस अवसर पर एक्सईएन कैलाशचंद, बैरवा, मंगलराम मास्टर, किशनलाल मास्टर, सुरेश कुमार, पवन मीणा, अशोक कुमार, देवेन्द्र, प्रवीण, संतोष कैरव, जयराम बैरवा, नरेंद्र बैरवा, सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कठूमर ग्राम पंचायत के ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में महिला वर्ग हॉकी व बॉलीबॉल में रही विजयी।

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल 2022 के तहत ग्राम पंचायत स्तरीय आयोजन में कठूमर ग्राम पंचायत के प्रतिभागियों में बुधवार को रोचक मुकाबले हुए। पीटीआई शिब्बोराम सोनी ने बताया कि ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में महिला वर्ग को हॉकी व बॉलीबॉल में विजयी घोषित किया गया। तथा पुरुष वर्ग की हॉकी की टीम विजयी रही ।इस अवसर पर पंचायत समिति खेल परिसर में दर्शकों की बहुत भीड़ रही तथा सभी ग्रामीणों ने खेल प्रतियोगिताओं का आनंद लिया। इस मौके पर पर कठूमर ग्राम पंचायत की पीईईओ तथा प्रधानाचार्य विराज चौहान, व्याख्याता बीना मीना, मुख्य निर्णायक उमेश चौधरी ,शिब्बोराम पीटीआई, देवेश भारद्वाज तथा अंपायर की भूमिका में भूमिदत्त शर्मा उपस्थित रहे। गुरूवार एक सितंबर को प्रातः 9:00 खेल प्रतियोगिताओं का समापन समारोह में पंचायत समिति परिसर में आयोजित होगा।

विप्र फाउंडेशन इकाई सरेडी बड़ी जुगल पाठक उपाध्यक्ष,फलेश व्यास महामंत्री

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा जिला अध्यक्ष योगेश जोशी की सहमति और जिला महामंत्री नवनीत त्रिवेदी के प्रस्ताव से इकाई अध्यक्ष रजनीकांत व्यास ने इकाई सरेड़ी बड़ी की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जुगल पाठक को इकाई उपाध्यक्ष मनोनीत किया और फलेश व्यास को विप्र फाउंडेशन इकाई महामंत्री मनोनित किया गया । इकाई अध्यक्ष रजनीकांत व्यास ने बताया की कार्यकारिणी को मजबूती प्रदान करते हुए संगठन के कार्य संपादित किए जायेंगे । ये जानकारी नवनीत त्रिवेदी ने दी।

जिला अभिभाषक संघ बांसवाड़ा ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर बांसवाड़ा को दिया गया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। जिला अभिभाषक संघ बांसवाड़ा द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर महोदय बांसवाड़ा को दिया गया है उक्त ज्ञापन - बार एसोसिएशन घड़साना जिला गंगानगर राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं हमारे साथी अधिवक्ता श्री विजय सिंह जोरट के साथ जो कि समाज हित में युवाओं को अफीम गांजा चरस कोकीन हेरोइन जैसे मादक पदार्थों से दूर रहने के लिए नशा मुक्ति आंदोलन चला रहे थे जो समाज के हित में बहुत बड़ा आंदोलन था लेकिन ड्रग्स माफियाओं के दबाव में आकर एडवोकेट विजय सिंह को घड़साना थानाअधिकारी द्वारा थाने पर बुलाकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट कर शारीरिक व मानसिक पीड़ा पहुंचाई थी एडवोकेट विजय सिंह के साथ थानेदार के द्वारा की गई मारपीट के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गए तो एडवोकेट विजय सिंह को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर 3 दिन तक विधि विरुद्ध जाकर हिरासत में रखा गया तथा अधिवक्ता को गहरी यातनाएं दी गई जिससे पूरे परिवार को मानसिक पीड़ा पहुंची है पुलिस के उक्त विधि विरुद्ध कृत्य से क्षुबद एवं मजबूर होकर एडवोकेट विजय सिंह जोरट अपने सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं निरंकुशता से हार मान कर दिनांक 29 /8/2022 को आत्महत्या कर हमारा साथि सिस्टम की भेंट चढ़ गया। उक्त घडसाना थानेदार मय स्टाफ की निरंकुशता एवं विधि विरुद्ध जाकर एक अधिवक्ता को शारीरिक व मानसिक पीड़ा पहुंचा कर आत्महत्या करने को मजबूर करने के कारण जिला अभिभाषक बांसवाड़ा जिला कलेक्टर बांसवाड़ा महोदय के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जो गृह मंत्री भी हैं ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि पीड़ित परिवार को अधिक से अधिक आर्थिक सहायता एवं मुआवजा दिया जावे दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जावे पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जावे। जिला अभिभाषक संघ बांसवाड़ा के जिला महामंत्री तरुण कुमार अडीचवाल ने बताया न्यायालय परिसर में आक्रोश रैली निकाली गई । आक्रोश रैली में संघ अध्यक्ष मनोज सिंह चौहान, उपाध्यक्ष परतू सिंह निनामा, जिला महामंत्री तरुण कुमार अडीचवाल,सह मंत्री दिलीप गांमोड, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन ,सदस्य दिनेश जोशी, मुकेश मीणा एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमान शाहबाज खान पठान, हीरा लाल जैन, कृष्णकांत उपाध्याय ,अशोक मेहता, सुशील जैन ,यशपाल गुप्ता, देवेंद्र चौधरी, राजकुमार जैन, अजीत सिंह चौहान, प्रीतम सिंह राठौड़, राजेंद्र शुक्ला ,नरेश पुरोहित ,राजीव जोशी, हेमेंद्र नाथ पुरोहित, आकाश पटेल, राजेश व्यास, रामवीर शर्मा, देवर्षि जोशी, राजेंद्र जोशी ,समर पंड्या, निलेश मेहता मोहम्मद यूसुफ ,अजीज खान, तस्लीम अहमद बलूच, शंकर लाल निनामा ,खातु राम निनामा, रामचंद्र मईडा ,परमेश्वर चरपोटा, नारायण लाल मईडा ,रवि पुरी, नरेंद्र सिंह झूला ,प्रवीण कलाल, राजेंद्र पाटीदार ,प्रवीण सिंह सोलंकी, राकेश पाटीदार, अजय सिंह सोलंकी ,हरि विष्णु पुरोहित, पंकज बरोडिया, हेमंत दोषी, हीरालाल राठौड़, मोती लाल पटेल, मुकेश रावत, मणिलाल यादव ,परमेश्वर यादव, हितेंद्र शर्मा ,अब्दुल वहीद , शमीम मोहम्मद, अशोक गांधी, दिनेश शर्मा, अमजद खान, लक्ष्मण सिंह मईडा, मोहनलाल मईडा, जितेंद्र जती, मोहन पाल सिंह, शंभू सिंह, उमेश जोशी, भूपेंद्र जैन, निलेश मेहता ,शौकत हुसैन, अब्दुल वहाब, रामकृष्ण भावसार, कोशिका आमेटा,अशोक मईडा एवं स्टांप विक्रेता एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष जैन एवं सभी स्टांप विक्रेता मय टाइपिस्ट न्यायालय परिसर आदि ने इस आक्रोश रैली में भाग लिया?। ये जानकारी तरुण कुमार अडीचवाल (जिला महामंत्री) जिला अभिभाषक संघ बांसवाड़ा ने दी।

न्यू बाल विद्या भवन उच्च प्राथमिक विद्यालय मैं खेल प्रतियोगिता का आयोजन

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। दिनांक 30 अगस्त 2022(मंगलवार) को न्यू बाल विद्या भवन उच्च प्राथमिक विद्यालय मैं खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता के कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्रधान तेजपाल सिंह जादव ने सरस्वती जी की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर खेल कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर संस्था प्रधान तेजपाल सिंह जादव ने कहा कि हमें खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए एवं खेल से ही हमारा सर्वांगीण विकास होता है। शिक्षा के साथ खेल भी बहुत आवश्यक है, हमारा बांसवाड़ा जिला अभी वर्तमान में खेल के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। खेल प्रभारी धुलसिंह दामा ने बताया कि विद्यालय स्तरीय एक दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन पोटलिया मैदान कुशलगढ़ पर हुआ जिसमें कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। खेलों में 50 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, रिले रेस,मेंढक दौड़, लंबी कूद, नींबू रेस, कबड्डी,क्रिकेट, फुटबॉल आदि खेलों का आयोजन किया गया। खेल सह प्रभारी महेश कुमार खड़िया ने बताया कि जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग की स्पर्धा हुई उसमें सीनियर वर्ग की कबड्डी में तनवीर मंसूरी की टीम विजेता रही, लंबी कूद में सीनियर वर्ग में अर्जुन खड़िया प्रथम रहा,लंबी कूद में छात्रा वर्ग में गीता खड़ियां प्रथम आई, रिले रेस में छात्रा वर्ग में हिमांशी सांखला ग्रुप प्रथम आया, जूनियर ग्रुप में छात्र वर्ग में नींबू रेस में शाईलेस वसुनिया प्रथम आया व जूनियर ग्रुप में छात्रा वर्ग में नींबू रेश में नायरा मकरानी प्रथम आई,जूनियर वर्ग में मेंढक दौड़ में सुबा खड़िया प्रथम आई, छात्रा वर्ग में जूनियर वर्ग में 50 मीटर दौड़ में आकांक्षा भूरिया प्रथम आई। संस्था प्रधान द्वारा विजेता छात्र /छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी छात्र/ छात्रा उपस्थित थे एवं वह अपनी कक्षा के सहपाठी छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन भी कर रहे थे।नरसिंह देवदा, पूजा प्रजापत, मनीष घोती, दिव्या सेन, सुशीला डामोर, तयबाह सिंधी, सीमा प्रजापत, मोनिका प्रजापत, तनीषा प्रजापत,संगीता सोनी, कमरूनिशा मकरानी आदि विद्यालय स्टाफ ने सहयोग प्रदान किया। खेल कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र प्रजापत ने किया।यह जानकारी विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका कविता सोनी ने दी।

गणेश चतुर्थी पर मंथन स्पेशल स्कूल का किया विस्तार

दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सभी को लेना होगा संकल्प - पूजा निमोरिया

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। दिव्यांग बच्चों हेतु संचालित मंथन स्पेशल स्कूल में बुधवार को गणेशोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अथिति नगरपालिका बर्डोद की नवनिर्वाचित चेयरमैन पूजा निमोरिया रही। साथ ही विशिष्ट अथिति के रूप में बीडीओ वीरेंद्र चौहान, छेटेलाल बर्डोदिया, कमल नयन शर्मा ने अपनी उपस्थिति से दिव्यांग बच्चों एवं स्टाफ का उत्साहवर्धन किया। अथितियों द्वारा गणेश जी की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।
मंथन सचिव डॉ0 सविता गोस्वामी ने बताया कि इस वर्ष 50 बच्चों को निशुल्क शिक्षा एवं थेरेपी प्रदान करने के संकल्प के लिए फाउंडेशन प्रयासरत है इसी क्रम में बच्चों के लिए नए क्लास रूम का अथितियों द्वारा फीता काट कर शुरुआत की गई। इस अवसर पर चेयरमैन पूजा निमोरिया ने मंथन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सभी को संकल्प लेना होगा तभी मंथन का यह मिशन सफल हो पाएगा। वहीं बीडीओ वीरेंद्र चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा मंथन का यह प्रयास दिव्यांगता के क्षेत्र में नया आयाम प्रदान करेगा।
इसके पश्चात स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित उपखंड स्तरीय कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति के लिए बच्चों को अथितियों द्वारा सम्मानित किया गया एवं उपरोक्त कार्यक्रम में प्राप्त प्रोत्साहन राशि से बच्चों के लिए ली गई स्टेशनरी एवं यूनिफॉर्म भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में मंथन उपाध्यक्ष कर्मवीर यादव द्वारा अथितियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए एवं विशेष शिक्षक आकाश कुमार के सहयोग से सभी को प्रसाद वितरित किए गया।
कार्यक्रम में डॉ0 पीयूष गोस्वामी, विशेष शिक्षक शालिनी शर्मा, रामसिंह मोरोडिया, अंकित सैन, केशव सैनी, कृष्ण कुमार सैनी समेत दिव्यांग बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पर्युषण पर्व के आठों दिन जमकर हुई तप आराधना

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

श्री वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ कुशलगढ़ में पर्यूषण पर्व के 8 दिन पूज्या श्री सुव्रता जी महाराज साहब के सानिध्य में जमकर हुई तप आराधना हुई। पर्यूषण पर्व के अंतिम दिन संवत्सरी पर्व पर स्थानक भवन में पूज्या श्री रेणु प्रभा जी महाराज साहब ने अंतगढ़ सूत्र का वाचन किया। पूज्या श्री सुव्रता जी महाराज सा ने धर्मसभा में बताया कि संवत्सरी महापर्व ज्यादा से ज्यादा आत्मा की साधना करने का पर्व है, आज के दिन अत्यधिक तप आराधना कर हमे अभय दान करना है। भगवान महावीर का हम पर अनंत उपकार है जिन्होंने कर्मो को क्षय करने का मार्ग बताया। पर्यूषण पर्व के 7 दिन साधना के और अंतिम दिन सिद्धि का होता है। संवत्सरी कर्मो की निर्जरा करने का पर्व होता है तथा आज के दिन हमें सभी जीवो से क्षमायाचना करनी है। प्रचार मंत्री विशाल गादिया ने बताया कि संघ में सुमित्रा डोसी के सिद्धितप के साथ 15 उपवास, निर्मला चोपड़ा 11 उपवास, चंदना डोसी, कंकू लुणावत, शीला नरेंद्र गादिया, निलिशा नाहटा, रुचिका चोपड़ा, निलेश गादिया, राजेश गादिया, अभिषेक गादीया, धीरज नाहटा, श्रुत नाहटा, लोकेश बाठिया, नरेंद्र गादिया, प्रशांत नाहटा, नरेंद्र खरीवाल, अवि खरीवाल, संगीता धारीवाल, मंजू चंडालिया, विजय नाहटा आदि ने 8-8 उपवास की तपस्या करी जिनका बहुमान श्रीसंघ, संजय गादिया, सुभाष नाहटा, संयम गादिया द्वारा किया गया। 55 से अधिक तेले की तपस्या भी हुई ।तत्पश्चात अणुभक्ति बहु मंडल, चंदनबाला डोसी, मयूरी नाहटा, श्रीसंघ महामंत्री प्रशांत नाहटा, श्री संघ अध्यक्ष रजनीकांत खाबिया, धर्मदास गण परिषद महामंत्री राजेंद्र गादिया, उमेश मित्र मंडल अध्यक्ष अमित लुणावत द्वारा सभी से क्षमा याचना की गई। प्रवचन की प्रभावना बसंत चोपड़ा, अशोक डोसी द्वारा वितरित की गई। संचालन उमेश मित्र मंडल अध्यक्ष अमित लुणावत द्वारा किया गया। ये जानकारी विशाल गादिया ने दी।

गांव गालाखेड़ा के अध्यापक बाबूलाल के सेवानिवृति समारोह पर हुआ भव्य स्वागत

मरूधर विशेष

कठूमर । दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैथना से बुधवार को अध्यापक बाबूलाल अपने गांव गालाखेड़ा पहुंचने पर भव्य स्वागत साफा माला पहनाकर किया। मैथना विद्यालय स्टाफ सहित यहां के शिक्षक बंधुओं ने भी उत्साह पूर्वक मान सम्मान किया। बाबूलाल अध्यापक का 31अगस्त बुधवार को ही सेवानिवृत्त हुए है। उल्लेखनीय है कि बाबूलाल अध्यापक के रुप में कार्यकाल सभी के लिए सहयोगात्मक, सराहनीय एंव आत्मीयता पूर्णणसंबंध रहने के कारण सभी के लोकप्रिय रहे है। यहां के लोग अभी तक उनके कार्य व्यवहार को याद करते हुए प्रशंसा करते रहते है। इस अवसर नाते रिश्तेदार सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

डॉक्टर डी आर यादव का सेवानिवृत्त समारोह आयोजित किया गया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम हरसौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर डी आर यादव के सेवानिवृत्त होने पर क्षेत्रवासियों की ओर से डॉ .दयाराम यादव का जोरदार स्वागत किया गया ।डॉक्टर डी आर यादव को कस्बे के बाईपास रोड से विशेष कार्यक्रम स्थल तक हाथी पर बैठाकर ग्रामीणों एवं कस्बे वासियों ने स्वागत जुलूस निकाला। डॉक्टर यादव के सेवानिवृत्त होने पर आज हरसोरा सीएचसी में ग्रामीणों ने फूल माला व साफा बांधकर उन्हें विदाई दी गई। हरसोरा से निकलने के बाद डॉक्टर का जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कस्बे वासियों की ओर से हरसोरा बाईपास चौराहे से डॉ. दयाराम यादव को हाथी पर बैठा कर जुलूस निकाला गया। जहां हाथी को देखने के लिए कस्बे वासियों की भारी भीड़ जमा हो गई। जुलूस मुख्य मार्गों से होते हुए निजी मैरिज गार्डन पहुंचा जहां सर्व समाज के लोगों ने डॉक्टर के सेवानिवृत्त होने पर उनका फूल मालाओं व साफा बांधकर स्वागत किया एवं चिकित्सा क्षेत्र में उनके कार्य की प्रशंसा की।

विधायक खड़िया ने निजी अस्पताल का उद्घाटन किया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

डीवाईएसपी चौराहा पुण्य सम्राट रेस्टोरेंट के ऊपर टिमेडा रोड स्थित कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया ने महावीर मेटरनिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि कुशलगढ़ में अस्पताल खुलने से ग्रामीण लोगों को गुजरात के दाहोद व बांसवाड़ा के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। छोटा डूंगरा सज्जनगढ़ तांबेसरा टीमेंड़ा बड़वास छोटी सरवा मोकमपुरा पाटन बड़ी सरवा सहित कई गांव की जनता को अस्पताल का लाभ मिलेगा। डॉ हिरेन मोदी ने कहा कि हॉस्पिटल में अल्ट्रा मॉर्डन ऑपरेशन थियेटर, प्रसुति मासिक रोगो की जांच एवं उपचार,गर्भाशय के ऑपरेशन,परिवार नियंत्रण के ऑपरेशन, वंध्यतव निवारण केंद्र ,जोखमी सुवावड (हाई रिस्क) गर्भाशय ओर स्तन कैंसर का उपचार, आंकडी ओर अन्य गर्भनिरोधक वस्तुएं गर्भाशय की चांदी का उपचार,सोनोग्राफी जांच,स्पेशल रूम सुविधा आदि सेवाएं प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर सज्जनगढ़ प्रधान रामचंद्र डिंडोर, पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर,बीजेपी नगर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र सेठिया,कुशलगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा पार्षद नरेश गादिया, महेंद्र शाह, महावीर कोठारी,राखी फतरोड,राहुल सोनी पंचायत समिति सदस्य विजय सिंह खड़िया, एडवोकेट गणपतलाल दातला,कमलेश खमेसरा,पिंटू राठौड़, धीरज लबाना,पूर्व पार्षद हातिम भाई आदि मौजूद रहे।

दिगंबर जैन समाज के दस लक्षण पर्व प्रारंभ

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। आज दिगंबर जैन समाज के दस लक्षण पर्व प्रारंभ हुए प्रथम दिवस उत्तम क्षमा पर्व के रूप मे मनाया गया आचार्य सुनील सागर जी की शिष्या बाल ब्रम्हचारी श्रेया दीदी के सानिध्य मे पांडुक शिला पर विराजित भगवान का पंचामृत अभिषेक शान्ति धारा की गई जिसका लाभ अभिषेक पंकज सेठ, प्रदीप शांतिलाल सेठ, नरेश पंचोली ने लिया। दसलक्षण विधान मे कलश स्थापना का लाभ ज्योति मनोज सेठ, राजकुमारी प्रदीप सेठ, कमला हसमुख सेठ, स्नेहलता नरेंद्र पंचोली एवम अखंड दीपक प्रज्वलन का लाभ राजमल सिंघवी ने लिया। दीदी के सानिध्य मे तत्वार्थ सूत्र वाचन,पूजा, प्रवचन हुआ प्रवचन में दीदी ने बताया कि क्षमा जीवन मूल मंत्र है। मनुष्य का कोई दुश्मन नहीं होता। जीवन का दीपक क्षमा मांगकर ही जलाया जा सकता है। साय मंगल आरती एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम हुवे।उक्त कार्यक्रम बिसपंथी मंदिर में सम्पन्न हुए।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल के तहत बागीदौरा के खेल स्टेडियम में वॉलीबाल के रोमांचक मुकाबले हुए

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। बागीदौरा राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल के तहत बुधवार को राउमावि बागीदौरा के खेल स्टेडियम में वॉलीबाल के रोमांचक मुकाबले हुए। खिलाड़ियों ने इन डायरेक्ट प्रतियोगिता में आखिरी स्कोर तक दमखम दिखाया। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक विनोद पानेरी ने बताया कि नोक आउट प्रतियोगिता के तहत मैच करवाये गए। वॉलीबाल का गढ़ माना जानेवाले बागीदौरा कस्बे में दर्शकों का उत्साह भी चरम पर रहा। प्रधानाचार्य मनोज कुमार जोशी ने टीमों का परिचय लिया। यहां कभी स्मैश, कभी डोज़, कभी फिंगर तो कभी बूस्टिंग के उच्च स्तर का कौशल देखने को मिला। खिलाड़ियों ने अपनी टीम को जिताने के लिए खेल भावना से खेलते हुए भरसक प्रयास किये। इस मौके पर सीबीईओ गोपालकृष्ण जोशी ने भी फाइनल मैच का आनन्द लिया। प्रतियोगिता में टीम संख्या 2506 विजेता रही। इसमें कपिल पाटीदार, खुशवंत पाटीदार, विशाल पाटीदार, शैलेन्द्र पाटीदार का खेल दर्शनीय रहा। रेफरी विनोद पानेरी व मणि चरपोटा, स्कोरर विनोद जैन, लाइन जज कन्या निनामा व मनीषा जैन रही। ये जानकारी विनोद पानेरी ने दी।

मुख्यमंत्री ने पाली जिले के निमाज ग्राम पंचायत में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल गतिविधियों का किया अवलोकन, प्रभारी मंत्री जूली भी रहे मौजूद

लोकेशन अलवर राजस्थान युवराज शर्मा

सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री व जेल मंत्री एवं पाली जिले के प्रभारी मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का मेले की तरह माहौल है जिसमें उम्र की कोई सीमा नहीं है एवं सभी आयु वर्गों के लोग रुचि ले रहे हैं । उन्होंने राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों की इनामी राशि 75 लाख से बढ़ाकर 3 करोड़ करने व एशियाड खेलों के विजेताओं के की ईनामी राशि 30 लाख से बढ़ाकर 1 करोड करने पर मुख्यमंत्री श्री गहलोत का आभार व्यक्त किया । प्रभारी मंत्री ने जिले में प्रत्येक ग्राम पंचायत पर खेलो पाली नवाचार के तहत खेल स्टेडियम बनाए जाने पर जिला कलक्टर की सराहना की ।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पहुंची मंत्री रावत

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के गांव चतरपुरा के खेल मैदान में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के समापन अवसर पर उधोग एवं देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने भाग लिया। उद्योग व देवस्थान मंत्री ने तीन दिवसीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में विजयी हुई टीमों को शील्ड देकर सम्मानित किया। वहीं उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सोच है कि गांव ढाणी का बालक भी खेले। और खेल के जरिए बालक को सरकारी नौकरी मिले, ये व्यवस्था राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की है। इसके लिए सरकार जिला, ब्लॉक और पंचायत लेवल पर खेलों का खर्च भी सरकार उठा रही है। वही उन्होनें कहा की बानसूर में सभी सरकारी स्कूलों में ऐसा कोई स्कूल नहीं रहे जिसमें बिजली का कनेक्शन नहीं हो। जिस भी स्कूल का बकाया बिजली का बिल है वो भी सरकार भरेगी।उद्योग मंत्री शकुंतला रावत के समापन समारोह में पधारने पर विद्यालय एवं ग्रामीणों की ओर से स्वागत किया गया इस दौरान नारायणपुर एसडीएम सुनीता मीणा , बीईओ मनोज सिंह शेखावत ,एसीबीओ इंद्राज गुर्जर बानसूर नगरपालिका चेयरमैन नीता सज्जन मिश्रा ,प्रधान सुमन यादव, सरपंच नीरज तोनगरिया , हरिद्वार लाल शर्मा , राकेश गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य खामोश देवी ,पटवारी रोहतास योगी ,विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेश कुमार शर्मा सहित ग्रामीण और छात्र छात्राएं मौजूद रहे।